

बांबरा

पंचपरगनिया कविता संग्रह

संकलक

प्रो. दीन बन्धु महतो

प्रो. परमानन्द महतो

प्रकाशक

झारखण्ड झरोखा, राँची

बांबरा

प्रथम संस्करण : 2012

सर्वाधिकार : संकलक

प्रकाशक : झारखण्ड झरोखा,
दुकान न.- डी. जी. 03
न्यू बिल्डिंग, न्यू मार्केट,
रातू रोड, राँची, झारखण्ड
पिन न. 834001
मो. 09973112040, 09471160792

ISBN : 978-81-921537-2-8

अजिल्द : 120.00 रु.

सजिल्द : 175.00 रु.

आभार

गटा पाँचपरगना इलाका सांसकिरतिक आखड़ाक रूपे जुग-जुग लेक जानल जाए आहे। हिआँ सउब महिनाए अलग-अलग राग माहान गित गावल आर सुनल जाएला। हिआँ नेगेक-नेग गित गाएक चलन आर बाजाएक काएदा भिनु-भिनु आहे। हिआँक रसिक लग सेटा के बेस भाबे बुझे पारत हएँ। समझ आर परिसथिति केर अनुसारे हिआँ केर कबि सउब गित आर कबिता केर रचना कइर आहएँ। इ किताब टा केर भितरे जे गित गिला के मेसाल जाए आहे सउब गित भक्ति काल लेक जुड़ल आहे। हिआँ देबि देवता केर आराधना संबंधित गित केर संगे-संगे निमाइ सन्यासि केर "सन्यासि पाला" केर जिकिर करल जाए आहे। माहाभारत काल माहान अक्रुर संबाद केर गित केर संगे-संगे राधा किरन केर बारे गित कउ जाएगा देल जाए आहे। गितेक दाराएं भगवान के अवतार-संबंधि गित कर' बाखान करल जाए आहे। गितेक दाराएं माहाभारत केर लड़ाइ केर जिकिर करल देखाल जाए आहे।

बाँबरा किताब टा एसने रकम केर एकटा संकलन हेके। इ संकलन टा पाँच परगनिया भासा साहित पढ़इआ छुआ सउब के किछु मदइत मिलि। इ किताब टा छापुवाएक माहान सउब लेक बड़े जगदान हामारे केर सहपाठि शकुन्तला मिश्र (वरीय उद्घोषिका, आकाशवाणी राँची) केर आहे। से तेहें हामारे अके हिरदए लेक धन्यवाद देतिहि। जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा विभाग केर अध्यक्ष गिरीधारी राम गोँझू केर प्रति हामारे आभार प्रकट करातिहि जे साराखिन किताब लिखेक तेहें उसकाते रहत रहे। डॉ. राम दयाल मुण्डा, डॉ. वी. पी. केशरी, डॉ. कुमारी वासंती, प्रो. इन्द्रजीत उराँव, डॉ. के. सी. टुडू, प्रो. बी. नाग, डॉ. रोज केरकेट्टा, डॉ. एच. एन. सिंह, डॉ. सत्यनारायन सिंह मुण्डा,

बांबरा

डॉ. हरि उराँव, डॉ. त्रिवेणी नाथ साहु, डॉ. मंजुला देवी, डॉ. राजाराम महतो
 एमाइन केर देखाल डहर माहान चइल कहन आर काथाक बल पाए कहन
 हामरे इ किताब टा केर रूप दे पालि से तेहे इमन धन्यबाद केर पात्र हेकएँ ।
 इमन के हिरदय लेक आभार प्रकट करतिहि ।

भक्तिकालिन गित गुला केर संकलन करेक माहान जे लग गिलाक
 मदइत किंबा सहजग कइर आहएँ उमन के हामरे भितर दिल लेक आसिस दे
 तिहि । एसन गित रचना करइआ कबि केर नाम अमिट रहुक जे गितेक दाराएँ
 हिआँ केर भासा साहित आर संसकिरति के बाँचाएक संदेस दे आहएँ । सेंस
 माहान उ लग केर उपरे हामारे आभार प्रकट करिला जे गिला भासा आर
 संसकिरति टा के आगु बाटे बाढ़ाएक खातिर चेस्टा करबएँ ।

कन'ए रकमेक गलति माहान छमा चाहतिहि ।

रउर केरे

प्रो. दीनबन्धु महतो

प्रो. परमानन्द महतो

विसए सुचि

क्र.		पृष्ठ
1.	बन्दना	8
2.	गणेश बंदना	9
3.	सरस्वती बंदना	9
4.	काली अराधना	10
5.	दुर्गा बंदना	11
6.	शिव बंदना	14
7.	राम काव्य	16
8.	सर्वदेवता बंदना	20
9.	निमाइ संन्यासि	21
10.	अक्रुर संवाद	37
11.	श्री कृष्ण	49
12.	प्रेम गीत	50
13.	गोपियों का रूप वर्णन	55
14.	राधा का रूप वर्णन	58
15.	बसंत बिरह	63
16.	राधा का बिरह	67
17.	अध्यात्मिक भक्ति गीत	71
18.	द्रोपदी द्वारा कृष्ण स्मरण	73
19.	भीष्म पाला	77
20.	अर्जुन पाला	82
21.	अर्जुन के दस नाम का रहस्य	86
22.	अर्जुन का अज्ञातवास में परिचय देना	87

23.	चक्रव्यूह के शोक में अर्जुन का विलाप	89
24.	अभिमन्यु के शोक में अर्जुन का विलाप	90
25.	कुरुक्षेत्र में अर्जुन और कृष्ण में वार्ता	91
26.	आधुनिक गीत	92
27.	ईश्वर के दस अवतार	92
28.	चैतन्य काव्य	94
29.	शिक्षा	95

लेखक परिचय



- नाम — दीनबन्धु महतो
 पिता — स्व. दुलाल महतो
 माता — श्रीमति सुपति देवी
 पता — ग्राम+पो.—पोगड़ा, थाना—सिल्ली, राँची (झारखण्ड)
 शिक्षा — मैट्रिक—1975, आई.एस.सी.—1978, बी.एस.सी.—1981, एम. ए. (पं.प.)—1988, नेट—2007।

शिक्षण कार्य — 1. सिल्ली कॉलेज, सिल्ली —1990 से अब तक, 2. आंशिक शिक्षण कार्य — जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा विभाग, राँची वि.वि., राँची — 1993 से अब तक।

- रचना — 1. मेसा कसा भाग—2 (मैट्रिक स्तर), 2. आखड़ा पत्रिका — आलेख, 3. विहान पत्रिका — आलेख, 4. झारखंड इन साइक्लोपेडिया — आलेख (पंचपरगनिया भाषा साहित्य), 5. अंतर्राष्ट्रीय स्तर के सेमिनार — Participant, 6. शब्दकोश रचना — Participant, 7. पुस्तक रचना में खास अभिरुचि।

लेखक परिचय



- नाम — परमानन्द महतो
 पिता — परेशनाथ महतो
 ग्राम — बसंतपुर पो. पोगड़ा, सिल्ली राँची
 शिक्षा — एम. ए. — पंचपरगनिया भाषा साहित्य में स्नातकोत्तर—1987

शिक्षण कार्य — 1988 से स्नातकोत्तर जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा विभाग राँची वि. वि. राँची में आंशिक शिक्षण कार्य।

प्रकाशित किताब— 1. पंचपरगनिया भाषा, 2. जीवन पथेक फुल, 3. पुस पीठा, 4. पंचपरगनिया लोकगीत संग्रह, 5. पंचपरगनिया लोककथा संग्रह

Publisher :-

Jharkhand Jharokha

Shop No. D.G. 03, New building, New Market

Ratu Road, Ranchi (Jharkhand), Pin-834001

Mob. - 09973112040, 09471160792

E-mail : jharkhandjharokharanchi@rediffmail.com

मूल्य : 120.00 रुपये मात्र

ISBN : 978-81-921537-2-8



978-81-921537-2-8